म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

भाषा और साक्षरता

भाषा साक्षरता और नागरिकता (नागरिक गुणों का विकास)

भारत में विद्यालय समर्थित
शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भो के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भो को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन (संकेत) दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण *2.0 LL11v1*
Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई नागरिकता पर एक विषयगत कक्षा प्रायोजना की योजना बनाने का मार्ग दिखाती है। यह बताती है कि किस प्रकार स्कूल के अंदर और बाहर विविध सार्थक, अभिव्यक्तिशील कार्यों में भाग लेते समय अपने विद्यार्थियों को समावेशी, चिंतनशील और विचारशील बनने के लिए बढ़ावा देते हुए अनेक परस्पर संबद्ध गतिविधियों की योजना बनाएँ और उनकी निगरानी करें।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- आपके विद्यार्थियों के नागरिकता कौशल को विकसित करने वाली एक विषयगत प्रायोजना कार्य को किस प्रकार तैयार करें और व्यवस्थित करें।
- कैसे परियोजना के भीतर भाषा-और-साक्षरता आधारित गतिविधियों की एक विस्तृत विविधता को शामिल करने के लिए अवसरों की पहचान करें।
- नागरिकता और भाषा तथा साक्षरता, दोनों के संबंध में अपने विद्यार्थियों के शिक्षण की निगरानी कैसे करें।

यह तरीका क्यों महत्वपूर्ण है

एक विषयगत प्रायोजना कार्य विद्यार्थियों को ऐसे विषयों का पता लगाने के लिए संभावना प्रदान करता है:

- जो उनमें रूचि उत्पन्न करें और उन्हें प्रेरित कर।
- विभिन्न विषय क्षेत्रों को समेकित करे।
- सुनने, बोलने, पढ़ने और लेखन कौशल को समेकित करने वाली उद्देश्यपूर्ण सहयोगात्मक गतिविधियों से उन्हें जोडें।

परियोजनाएँ पाठयक्रम और पाठयपुस्तक को कल्पनाशीलता और क्रियात्मक रूप से समझने का एक तरीक़ा है। नागरिकता केंद्रित प्रायोजनाओं में विद्यार्थियों के अन्य विश्वासों और विचारों के प्रति उनके सम्मान को विकसित करते हुए समाज के मूल्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करने का अतिरिक्त लाभ जुडा है। इस प्रकार, वे मानवाधिकार और कर्तव्य, न्याय, स्वतंत्रता और समानता से संबंधित व्यापक शैक्षिक उद्देश्यों को दर्शाते हैं। इस तरह, वे स्कूली शिक्षा को विद्यार्थियों के व्यवहारिक जीवन से जोड़ते हैं।

1 भाषा, साक्षरता और नागरिकता के बारे में सोचना

गतिविधि 1: भाषा साक्षरता और नागरिकता के बारे में सोचना
किसी साथी शिक्षक के साथ, संसाधन 1 पढ़ें। संभव है आप पहले से ही इस दस्तावेज से परिचित हों। जब आप इसे एक बार पढ़ लें, उसे दुबारा पढ़ें, और निम्नलिखित प्रश्नों के लिए अपने उत्तर हेतु नोट्स तैयार करें: • एक अच्छा नागरिक किस प्रकार का व्यवहार प्रदर्शित करता हैं? • किन अर्थों में स्कूल अपने विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनने की सीख देने में मदद कर सकते हैं? • विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनने में किस प्रकार के भाषा व साक्षरता कौशल सहायक हैं? अपने साथी शिक्षकों के साथ अपने विचारों पर चर्चा करें।

अब अपने विचारों की हमारे विचारों से तुलना करें।

अच्छे नागरिक:

- एक बेहतर समुदाय और दुनिया के निर्माण में अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करते हैं।
- राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी चिंताओं को प्रकट करने और समाधान प्रस्तुत करने के लिए तैयार रहते हैं।
- विचारशील, समावेशी और दूसरों का ध्यान रखने वाले होते हैं।
- अपने विश्वास के अनुसार कार्य करते हैं।

स्कूल, विद्यार्थियों को अच्छे नागरिक बनने के लिए निम्नलिखित अवसर प्रदान करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:

- कठिन मुद्दों को समझने और विश्लेषित करने की सीख देकर।

- ऐसे समाधानों की प्रस्तुति जो निष्पक्ष और नैतिक हों।
- दूसरों को सुनना।
- अपने विश्वास और चिंताओं को सम्मानपूर्वक उजागर करना।
- व्यक्तियों के विविध समूहों के साथ सकारात्मक रूप से बातचीत करना।

भाषा और साक्षरता कौशल निम्नलिखित बिंदुओं पर विद्यार्थियों को सक्षम बनाकर अच्छा नागरिक बनने में विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं:

- जानकारी को पढ़ना, समझना, विश्लेषित करना और उसकी व्याख्या करना – चाहे वह छवियाँ, भाषण या लेखन स्वरूप में क्यों न हों
- विचारों से तथ्यों को अलग करना
- प्रमाण को एकत्रित करना और उनका मूल्यांकन करना
- स्पष्ट करना, संक्षेप में प्रस्तुत करना और पूर्वानुमान लगाना
- विषयों पर चर्चा करना, दूसरों के विचार सुनना और अपने स्वयं के दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करना
- ऐसे सवाल करना, जो ठोस जवाब प्रकाश में लाए
- दूसरों को उचित तरीक़े से राज़ी करना
- पोस्टर बनाना, पत्र लिखना और याचिकाएँ तैयार करना
- चित्रों, भाषण और लेखन के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत करना।

हालांकि कई नागरिकता संबंधी विषय गंभीर मुद्दों से जुड़े हैं, तथापि उन्हें सुखद, आकर्षक तरीक़ों से तलाशने की संभावना मौजूद है।

अब आप एक ऐसी शिक्षिका के बारे में पढ़ेंगे जिसने अपनी कक्षा के साथ ग्रामीण समुदाय पर एक परियोजना शुरू की। जब आप इस केस स्टडी को पढ़ेंगे, तब उन भाषा और साक्षरता कौशल पर विचार करें, जो उनके विद्यार्थियों में विकसित हो रहे थे और नागरिकता के वे पहलू, जिनके बारे में वे सीख रहे थे।

> केस स्टडी 1: हमारा ग्रामीण समुदाय
>
> *सुश्री लक्ष्मी मध्य प्रदेश के एक ग्रामीण स्कूल में पढ़ाती हैं। यहाँ वे उन पाठों की पहली श्रृंखला का वर्णन करती हैं, जो 'समुदाय' की अवधारणा पर कक्षा परियोजना का हिस्सा बना, जिसे उन्होंने अपनी छठी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया।*
>
> पाठ 1: हमारे ग्रामीण समुदाय के बारे में विचार करना
>
> मैंने ग्रामीण समुदाय के एकत्रित होने वाले स्थानों और लोगों के बारे में जानने के लिए अपने विद्यार्थियों के लिए परियोजना की शुरुआत की। उनकी मदद के लिए, मैंने सरपंच श्री राजेश्वर, और श्रीमती पुश्पा सहित, मंदिर और स्कूल जैसे एक या दो उदाहरण प्रदान किए।
>
> फिर मैंने अपने विद्यार्थियों को उनके विचार साझा करने के लिए चार के समूहों में व्यवस्थित किया। 15 मिनट बाद, मैं कक्षा में चारों ओर घूमी, और प्रत्येक छात्र से सुझाव माँगा। मैंने उनके योगदान को श्यामपट पर लिखा, और हमने विचार-विमर्श किया कि क्या स्थानों और लोगों को दो अलग कॉलम में सूचीबद्ध करना बेहतर होगा या उन दोनों को एक साथ जोड़ना।
>
> फिर मैंने पत्थर, छड़ियाँ, पत्ते, बीज या उनकी इच्छानुसार इन विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले किन्हीं अन्य चीज़ों का उपयोग करते हुए, स्कूल के आँगन में ज़मीन पर सामुदायिक नक्शा तैयार करने के लिए कहा।
>
> जब उन्होंने अपना काम ख़त्म किया, तो प्रत्येक समूह ने बाक़ी कक्षा के सामने उनके द्वारा सम्मिलित स्थानों का वर्णन करते हुए – जैसे कि धार्मिक स्थल, बाज़ार, दुकानें, खेत, घर और जल स्रोत और उनसे जुड़े कुछ लोगों के बारे में चर्चा करते हुए अपना नक्शा प्रस्तुत किया। यह बहु रूचिकर था। उनके नक्शे और वर्णनों में काफ़ी विविधता थी। मैंने परियोजना के अंश के रिकॉर्ड के रूप में, अपने मोबाइल से प्रत्येक नक्शे का फ़ोटो लिया।
>
> (मेलोन, 2010 से रूपांतरित)

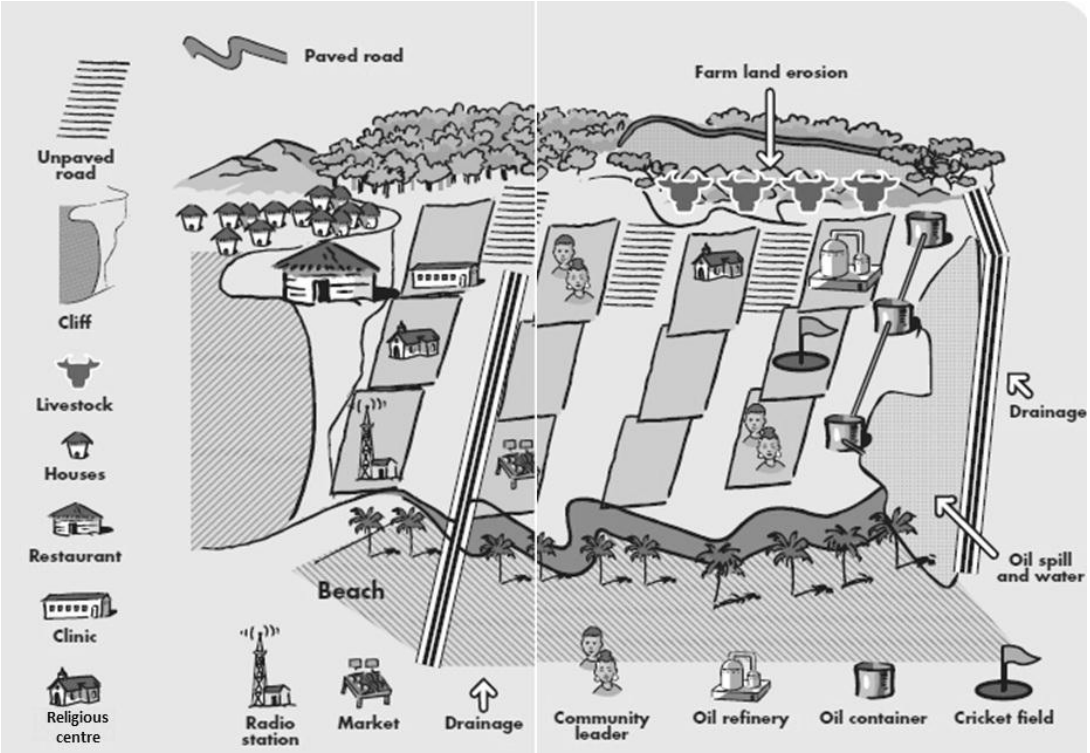

चित्र *1* सामुदायिक नक्शे का एक उदाहरण।

पाठ 2: समुदाय में मिल-जुल कर रहना

अगले सप्ताह मैंने समझाया कि अब हम समुदाय में रहने के अर्थ पर विचार करेंगे। कई सहपाठियों के साथ काम करने और सीखने के लिए अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और मैंने उनको ऐसे लोगों से अलग समूहों में बाँटा, जिनके साथ उन्होंने पहले काम किया था।

मैंने प्रत्येक समूह को एक बड़ा काग़ज़ दिया, जिस पर एक प्रश्न लिख थे। जो इस प्रकार थे।

1. हमारे समुदाय में बच्चे मिल-जुल कर किस प्रकार के काम करते हैं?
2. हमारे समुदाय में महिलाएँ मिल-जुल कर किस प्रकार के काम करती हैं?
3. हमारे समुदाय में पुरुष मिल-जुल कर किस प्रकार के काम करते हैं?
4. किस प्रकार के कामों में पुरुष, महिलाएँ और बच्चे एक साथ शामिल रहते हैं?
5. हमारे समुदाय में अगर कोई बीमार पड़ जाए, तो लोग किस प्रकार उसकी मदद करते हैं?
6. जब हमारे समुदाय में कोई व्यक्ति मर जाता है तो लोग क्या करते हैं?

मैंने प्रत्येक समूह के सदस्यों से उन्हें आबंटित प्रश्न पर 20 मिनटों के लिए अपने विचारों को चित्र के साथ नोट्स सहित दर्शाते हुए चर्चा करने को कहा।

जब समूहों ने कार्य समाप्त किया, तो मैंने उनके चित्रों को दीवार पर सजाया। फिर मैंने उनके समूह को अपने किसी एक साथी को बाकी कक्षा के साथ अपने विचार साझा करने के लिए चयन करने को कहा। इससे बेहद रोचक चर्चा चली, जिसमें हमने एक बड़े समुदाय के भीतर उप-समुदाय की धारणा पर विचार किया और ऐसे उप-समुदायों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के स्वरूपों का पता लगाया।

पाठ 3: सामुदायिक जीवन के लाभ और हानियाँ

मैंने अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित प्रश्नों को लिखने और अपने गृह-कार्य के रूप में उनके उत्तर पर तैयार करने को कहा।

- समुदाय में रहने के क्या लाभ हैं?
- इससे क्या हानि हो सकती है?

- समुदाय में अलग-थलग महसूस करने वाले लोगों को अधिक एकीकृत करने में किस प्रकार मदद की जा सकती है?

अगले दिन, मैंने अपने विद्यार्थियों की जोड़ियाँ बनाई और उनसे एक दूसरे के साथ अपने गृह-कार्य पर चर्चा करने को कहा। इसके बाद समग्र कक्षा के साथ विचार-विमर्श किया जिसमें मैंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि जिन बच्चों ने पहले योगदान नहीं दिया था उन्हें बोलने का मौक़ा मिले।

चित्र *2* कक्षा में जोड़ियों में कार्य।

पाठ **4:** सामुदायिक सरकार

हमने यह प्रायोजना कार्य गाँव के उन सभी लोगों को सूचीबद्ध करते हुए शुरू किया, जो जिम्मेदार पदों पर नियुक्त थे। हमने उनकी जिम्मेदारियाँ क्या हैं, इस पर विचार किया। मेरे विद्यार्थियों ने मेरे जैसे शिक्षकों सहित, विभिन्न भूमिकाओं वाले कई अन्य लोगों का नाम लिया।

श्यामपट पर स्वयं उनके विचार लिखने के बजाय, मैंने दो विद्यार्थियों को बारी-बारी से लिखने के लिए आमंत्रित किया। वे इस काम को करने में बेहद गर्व महसूस कर रहे थे और इस प्रक्रिया में उन्होंने बेहतरीन ढंग से लिखा यदि उनकी वर्तनी में त्रुटियाँ थीं, तो उनके सहपाठियों ने सुधार कराया।

फिर मैंने कक्षा को जोड़ियों में विभाजित किया और उन्हें दो और प्रश्नों पर विचार करने के लिए 15 मिनट दिए:

- हमारे समुदाय में लोग सहयोग करते हैं, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है?
- जब लोग किसी विषय पर असहमत होते हैं तो क्या होता है? उनके विवादों को निपटाने में कौन मदद करता है?

इसके बाद पूरी कक्षा में जो चर्चा चली, उसमें हमने समुदाय के हितों की देखरेख करने वाली प्रणाली के रूप में स्थानीय सरकार की अवधारणा के बारे में बात की और उन प्रक्रियाओं सहित, हमारे गाँव में इसके काम करने के तरीक़े की जाँच की, जिसमें समुदाय के सदस्य इस प्रकार की जिम्मेदारियों को उठाते हैं।

अंत में, मैंने अपने विद्यार्थियों को इस बात पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया कि समुदाय में अधिक सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए वे क्या कर सकते हैं। मैंने उनमें से हरेक को एक काग़ज़ का टुकड़ा दिया जिस पर उनमें से प्रत्येक ने एक वाक्य लिखा, जिसे वे चाहते तो सचित्र व्यक्त कर सकते थे। फिर मैंने वाक्यों को दीवार पर प्रदर्शित किया ताकि हर कोई देख सके

शुरुआत में मैं थोड़ा असहज थी कि क्या मेरे विद्यार्थियों अपने स्थानीय समुदाय पर प्रायोजना में दिलचस्पी लेंगे। वैसे मुझे फ़िक्र करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। इससे से कई दिलचस्प, विचारशील योगदान सामने आए, उनमें से कुछ ऐसे विद्यार्थियों से थे जो आम तौर पर काफ़ी शांत रहते थे। मुझे भी चारों पाठों में विभिन्न जोड़ियों तथा समूहों में नज़र आने वाले सहयोग और सम्मान के स्तर को देख कर खुशी हुई।

विचार कीजिए

ऊपर वर्णित प्रत्येक पाठ के लिए, निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार करें:

- सुश्री लक्ष्मी के विद्यार्थियों ने किस प्रकार की भाषा और साक्षरता कौशल का उपयोग किया?
- उनके विद्यार्थियों नागरिकता के किन पहलुओं को सीख रहे थे?
- क्या पाठों की विषयवस्तु के बारे में आपको किसी चीज़ ने आश्चर्यचकित किया?
- क्या कोई ऐसे विचार हैं जिन्हें आप अपने स्वयं की कक्षा में आज़माना चाहेंगे?

2 नागरिक गुणों को समझने के लिए प्रायोजना तैयार करना

जैसा कि केस स्टडी 1 दर्शाती है, विषयगत प्रायोजना में कई सप्ताह की अवधि में अनेक पाठ सम्मिलत किए जा सकते हैं। इस यूनिट की शेष गतिविधियों का अभिप्राय ऐसी नागरिकता प्रायोजना बनाने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शक न प्रदान करना जिसमें आपकी कक्षा के लिए भाषा-और-साक्षरता संबंधी उद्देश्य भी शामिल हैं। गतिविधि छह भागों में विभाजित है (गतिविधियाँ 2–7)। पहले गतिविधि को सावधानी से पूरी तरह पढ़ें और अपने चयनित विषय पर आगे बढ़ते हुए अंश वार उस पर काम करें।

गतिविधि 2: प्रायोजना के लिए विषय को पहचानना
किसी साथी शिक्षक के साथ, अपनी कक्षा के लिए नागरिकता संबंधी संभाव्य विषयों की सूची तैयार करें। आपकी सूची आपके स्कूल और समुदाय के संदर्भ में अनुकूलित किए जाने की संभावना है; तथापि, हमने नीचे कुछ विषय सुझाए हैं: • स्कूल को और अधिक आकर्षक बनाने के तरीक़े • गाँव को स्वच्छ रखना • गाँव में नवजात शिशुओं या बुजुर्गों के लिए कंबल प्राप्त करना • समुदाय में एकाकी, विकलांग और बीमार लोगों की सहायता करना • किसी स्थानीय ध्येय के लिए पैसा जुटाने हेतु वस्तुओं की बिक्री आयोजित करना • इलाक़े में मौजूद आँगनवाड़ियों, स्कूलों या घरों के लिए बच्चों की क़िताबें संग्रहीत करना • अनुपयोगी काग़ज़, आहार या घरेलू मदों का पुनर्चक्रण या रिसाइकलिंग • कचरा फेंकने की स्थानीय समस्याओं का समाधान करना • ऊर्जा की बचत • जल संरक्षण • जल-जनित रोगों की रोकथाम • महिला स्वास्थ्य-चर्या कार्यकर्ताओं की अधिक भर्ती सहित, युवतियों और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार • विद्यार्थियों की तुलना में छात्राओं का घरेलू काम करना और बाहर स्वतंत्र रूप से न खेल पाना • विलुप्त होने वाले जानवरों के शिकार की समस्या • पर्यावरण पर वर्तमान और भावी जलवायु परिवर्तन का प्रभाव • स्थानीय अल्पसंख्यक भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा देना।

आपकी सूची के कौन-से विषय आपके और आपकी कक्षा के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होंगे?

अपना निर्णय लेते समय आपने जिन कारकों पर विचार किया होगा, उनमें से कुछ हैं:

- क्या विषय आपके सभी विद्यार्थियों की उम्र के लिए उपयुक्त, प्रासंगिक और दिलचस्प हैं
- वे आपके स्कूल के पाठ्यक्रम की विषयवस्तु से कितने मिलते-जुलते हैं
- वे गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान, या सामाजिक विज्ञान जैसे - किन विषयों में समाविष्ट होते हैं
- क्या विषय अधिक संवेदनशील या विवादास्पद हैं
- आप अपनी कक्षा में उनकी छान-बीन के लिए स्वयं को कितने आश्वस्त और सुविधाप्रद मानते हैं।

अब भाषा-और-साक्षरता संबंधी अवसरों की सूची बनाएँ, जिनसे आपके चयनित विषय जुड़े हुए हैं। ये रहे कुछ सुझाव जिनसे आप शुरुआत कर सकते हैं:

- मुद्दों और उनके कारणों को समझने के लिए समाचार-पत्र या अन्य पाठ पढ़ना
- किसी स्थानीय व्यक्ति का साक्षात्कार
- वाद-विवाद का आयोजन

- किसी राजनीतिज्ञ या अख़बार के संपादक को कक्षा से पत्र लिखना
- सूचना-पत्र या पोस्टर तैयार करना और वितरित करना
- एक जागरूकता अभियान का आयोजन करना, याचिका की शुरुआत करना या धन जुटाने की पहल पर विचार करना

स्कूल के अन्य विद्यार्थियों या स्थानीय समुदाय के सदस्यों को प्रस्तुत करने के लिए किसी मुद्दे पर नाटक लेखन।

3 नागरिकता परियोजना में अपने विद्यार्थियों को संलग्न करना

चाहे आप अपने विद्यार्थियों को स्वयं विषय का सुझाव देने के लिए आमंत्रित करें, उन्हें चुनने के लिए विषय दें, या अपनी पसंद का कोई विषय प्रस्तावित करें, कक्षा परियोजना में आपके विद्यार्थियों को उलझाने की प्रक्रिया का एक अंश, उनके सुझावों और विचारों को सुनना और उस पर प्रतिक्रिया करना भी शामिल है।

विषय के विकल्प के बारे में भले ही आपका कोई भी दृष्टिकोण रहा हो, अपने विद्यार्थियों के साथ नागरिकता की अवधारणा पर चर्चा से शुरुआत करना उपयोगी होगा।

गतिविधि 3: नागरिकता परियोजना में अपने विद्यार्थियों को संलग्न करना

अपने विद्यार्थियों को समझाएँ कि वे कक्षा परियोजना पर कार्य करने वाले हैं और आप इस बात पर उनके सुझाव चाहते हैं कि उसमें किन्हें शामिल किया जा सकता है। कक्षा को समूहों में व्यवस्थित करें। प्रत्येक समूह को काग़ज़ का एक टुकड़ा दें जिस पर उनकी चर्चा का संकेत देने वाला कोई प्रश्न या चयन के लिए विषय हों – उदाहरण के लिए:

- हम किन मायनों में अपने स्कूल को अधिक आकर्षक बना सकते हैं?
- हम अपने गाँव को किस प्रकार सुधार सकते हैं?

प्रत्येक छात्र से चर्चा के लिए कम से कम एक विचार का योगदान देने के लिए कहें और उसे काग़ज़ के टुकड़े पर लिख लें। जब समय समाप्त हो, तब प्रत्येक समूह से स्वयंसेवकों को कक्षा के समक्ष फ़ीडबैक देने के लिए आमंत्रित करें। यह सुनिश्चित करते हुए ब्लैक-बोर्ड पर विचार लिखें कि हर कोई अपने सहपाठियों के सुझावों को सम्मानपूर्वक सुनता है।

जब सूची पूरी हो जाए, तब विद्यार्थियों से अपने समूहों में विचार-विमर्श करने के लिए कहें कि उन्हें कौन-से विचार बेहद पसंद आए। यदि उपयुक्त हो, तो पूरी कक्षा में इस पर मतदान करवाएँ।

इस प्रकार की चर्चाओं के माध्यम से, आपके विद्यार्थियों में उनसे संबंधित मुद्दों पर सोचने, मतदान करने, और सहमत होने जैसे नागरिकता कौशल विकसित होंगे। वे सुनने, चर्चा करने, नोट्स लेने और शेष कक्षा के समक्ष फ़ीडबैक देने के माध्यम से भाषा और साक्षरता कौशल विकसित करेंगे। पूरी परियोजना के दौरान शिक्षण के इन दो पहलुओं का पालन करना होगा।

विचार के लिए रुकें

अपने विद्यार्थियों के साथ यह गतिविधि करके आपने उनके बारे में क्या जाना?

कक्षा शिक्षण में सभी विद्यार्थियों को सम्मिलित करने के बारे में अधिक विचारों के लिए, संसाधन 2 देखें।

वीडियो: सभी को शामिल करना/सभी की सहभागिता

परियोजना के लिए जानकारी के स्रौतों को पहचानना

परियोजना में अगला चरण है विषय के बारे में जानने के तरीके सुझाने के लिए अपने विद्यार्थियों को आमंत्रित करना।

गतिविधि 4: विषय पर शोध

उनके द्वारा ब्लैक-बोर्ड पर प्रस्तावित जानकारी के सभी स्रोतों को नोट करें। इनमें स्कूल की पाठ्यपुस्तकें, पुस्तकालय, अख़बार, इंटरनेट, स्वास्थ्य केंद्र, पोस्टर, सूचना-पत्रक, स्थानीय सरकारी कार्यालय या स्थानीय लोग शामिल हो सकते हैं।

चित्र 3 सूचना स्त्रोत : एक अख़बार (ऊपर बाएँ),

स्थानीय लोग (ऊपर दाएँ) और पोस्टर (नीचे बाएँ और दाएँ)

उदाहरण के लिए, यदि आपके छात्र जल-जनित रोगों के बारे में जानने का चयन करते हैं, तो वे पूर्व व्यवस्था और अनुमति लेकर किसी स्थानीय जल-शोधन साइट पर जा सकते हैं और किसी जल नियामक का साक्षात्कार ले सकते हैं। वैकल्पिक रूप से वे जल-शोधन और सुरक्षा पर सलाह के लिए किसी सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल का दौरा कर सकते हैं। वे यह जानने के लिए सूचना-पत्रकों से भी परामर्श हासिल कर सकते हैं कि जल-जनित रोगों से स्वयं को बचाने के लिए परिवारों को क्या करना चाहिए।

चाहे इसमें अख़बार, क़िताबें, पोस्टर या सूचना पत्रकों को पढ़ना, स्थानीय विशेषज्ञों से बातचीत करना, और पढ़ी, देखी और सुनी गई बातों पर नोट्स लेना शामिल हो, इस प्रकार के शोध में विविध भाषा और साक्षरता कौशल सम्मिलित होगी।

4 नागरिकता परियोजना की रूपरेखा

गतिविधि 5: परियोजना की रूपरेखा और समय.निर्धारण

परियोजना की एक विस्तृत योजना तैयार करें। इसके लिए कई स्तंभों वाला तालिका प्रारूप अच्छी तरह काम करेगा।

- आप जिन गतिविधियों को परियोजना में शामिल होने की प्रत्याशा कर रहे हैं उन सभी को सूचीबद्ध करने के साथ शुरुआत करें।
- प्रत्येक गतिविधि के बग़ल में उसके द्वारा पेशकश किए जाने वाले भाषा और शिक्षण अवसरों को नोट करें।
- तय करें कि कौन-सी गतिविधियाँ पूरी कक्षा द्वारा की जाएँगी और कौन-सी गतिविधियाँ छोटे समूहों में वितरित करने के अनुकूल हैं।
- नोट करें कि प्रत्येक गतिविधि के लिए अग्रिम रूप से व्यवस्था करने के लिए आपको किन चीज़ों की ज़रूरत होगी। इसमें किन्हीं विशेष संसाधनों को एकत्रित करना, स्थानीय विशेषज्ञों से संपर्क करना या कक्षा के दौरों के लिए अनुमति प्राप्त करना शामिल हो सकता है। प्रत्येक मामले में, विचार करें कि आपको तैयारी के लिए कितने समय की ज़रूरत होगी।
- अब अगले कुछ सप्ताह में आपके द्वारा चिह्नित विभिन्न गतिविधियों को आवृत करने वाले पाठों की शृंखला की योजना तैयार करें और उनका उचित क्रम में अनुक्रमण करें।

- जब आपका काम पूरा हो जाए, पाठ्यक्रम के अन्य विषय क्षेत्रों के साथ उसकी अनुकूलता पर विचार करते हुए, प्रत्येक पाठ को अपने शिक्षण समय-सारणी में निर्धारित करें। किन्हीं अप्रत्याशित परिस्थितियों को समायोजित करने के लिए आप अपनी समय-अनुसूची में थोड़ा अधिक समय अनुमत कर सकते हैं।

यदि उपयोगी हो तो अपने किसी साथी शिक्षक के साथ इस योजना प्रक्रिया को साझा करें। हो सकता है आपको मुख्य संसाधन 'पाठों की योजना' पढ़ना मददगार लगे।

वीडियो: पाठों की योजना बनाना

5 अपने विद्यार्थियों के शिक्षण को प्रस्तुत करने के तरीक़े

गतिविधि 6: आपके विद्यार्थियों के शिक्षण की प्रस्तुति

परियोजना की अवधि के दौरान विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षण को प्रस्तुत और साझा करने के अनेक तरीक़े हैं। चाहे व्यक्तिगत रूप से हो या सहयोगात्मक रूप से, यह एक लिखित रिपोर्ट, पोस्टर, कलाकृति, प्रदर्शन, गाने, कहानियाँ और कविताएँ, या सामुदायिक कार्रवाई का स्वरूप ग्रहण कर सकता है।

चित्र *4* आपके विद्यार्थियों के शिक्षण को प्रस्तुत करने के विभिन्न तरीक़े: पोस्टर (ऊपर बाएँ), सामुदायिक कार्रवाई (ऊपर बीच में), लिखित पाठ (ऊपर दाएँ), कलाकृति (नीचे बाएँ) और प्रदर्शन (नीचे दाएँ)।

आपके विद्यार्थी अपने शिक्षण को प्रधानाचार्य और स्कूल के स्टाफ़, माता-पिता, गाँव के बुज़ुर्ग लोग, पंचायत राज या सरपंच, या किसी राष्ट्रीय सरकार के प्रतिनिधि के समक्ष प्रस्तुत करना चाह सकते हैं। आप अपने विद्यार्थियों को किसी अख़बार के लिए पत्र या रिपोर्ट लिखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, ताकि व्यापक दर्शक उनके शिक्षण के बारे में पढ़ सकें। जहाँ संभव हो, इस परियोजना में संलग्न अपने विद्यार्थियों की फ़ोटो लें ताकि उन्हें प्रदर्शित और दूसरों के साथ साझा कर सकें।

गतिविधि 7: आपके विद्यार्थियों के शिक्षण के बारे में विचार करना
आपके विचार में विषयगत परियोजना पर कार्य करके आपके विद्यार्थियों ने नागरिकता के बारे में क्या सीखा? क्या आपने पाया कि उन्होंने निम्न में से किसी के बारे में जाना और समझा है? • लोकतंत्र, न्याय और समानता • ज्वलंत विषय जो उनके लिए या उनके समुदाय के लिए महत्वपूर्ण हैं • वैश्विक समुदाय के सदस्यों के रूप में स्वयं के बारे में जागरूकता • दूसरों के साथ गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार • सक्रिय बनना • एक दूसरे को परामर्श • एक दूसरे की प्रतिरक्षा। इस अवधि में आपने अन्य किन नागरिकता से संबंधित ज्ञान और समझ का अवलोकन किया, और कैसे आप अपने सभी विद्यार्थियों के लिए इस जानकारी को प्रगति और विकास चार्ट में प्राप्त कर सकते हैं? विषयगत परियोजना के माध्यम से भाषा और साक्षरता के बारे में आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा? क्या आपने इनमें से किसी कौशल का उपयोग करते हुए उनका अवलोकन किया? • जानकारी के लिए पढ़ना • इस बारे में लिखना कि उन्होंने क्या पढ़ा, सुना या देखा • साक्षात्कार तकनीक • जानकारी का मूल्यांकन • राय अभिव्यक्त करना • सम्मानपूर्वक बहस • प्रस्तुतिकरण • ग़ैर-मौखिक संप्रेषण। आप अपने सभी विद्यार्थियों को उनकी दिलचस्पियों और क्षमताओं के अनुसार विषयगत परियोजना में सम्मिलित करने में किस प्रकार सक्षम रहे? किन तरीक़ों से आपने दर्शाया कि आपके लिए उन सबका योगदान महत्वपूर्ण है, और क्या किन्हीं विद्यार्थियों ने ऐसा योगदान दिया जिसकी आपको उम्मीद नहीं थी?

6 सारांश

इस यूनिट में योजना की रूपरेखा दी गई है, ताकि आप ऐसी विषयगत परियोजना तैयार और क्रियान्वित करने में सक्षम हों जो एक ओर अच्छी नागरिकता के साथ जुड़े मूल्यों के विकास को, और दूसरी ओर भाषा और साक्षरता के उद्देश्यों को, कई सप्ताह तक पाठों की शृंखलाओं के माध्यम से विषय संबंधी ज्ञान प्राप्ति के साथ समाहित करे। अनुसंधान, चर्चा, प्रेक्षण और प्रसार से जुड़े कल्पनाशील, सहयोगी, समुदाय केंद्रित गतिविधियों में संलग्न होकर, छात्र ऐसे शिक्षण अनुभवों से जुड़ी सकारात्मक यादों को बनाए रखते हुए बौद्धिक और सामाजिक रूप से लाभान्वित होते हैं। इन जैसी परियोजनाओं को किसी भी स्तर के विद्यार्थियों के अनुरूप रूपांतरित किया जा सकता है, और जब आप उनकी योजना तैयार कर लें, तब आप साल दर साल अपनी योजना का उपयोग और उसे विकसित कर सकते हैं। यदि आपके पास परियोजना की योजना और कार्यान्वयन को किसी अन्य सहयोगी के साथ साझा करने का अवसर है, तो आप इस प्रक्रिया को विशेष रूप से प्रतिफल देने वाला पाएँगे।

संसाधन

संसाधन 1: भारत में नागरिकों के मौलिक कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि:

a. संविधान का पालन करें और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान का सम्मान करें।
b. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों को मन में संजोएँ और उनका पालन करें;
c. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखें तथा उसकी रक्षा करें;
d. देश की रक्षा करें और ऐसा करने के लिए आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करें;
e. धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या दलीय विविधताओं से परे भारत के सभी लोगों के बीच सद्भाव और सामान्य भाईचारे की भावना को बढ़ावा दें;
   महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करें;
f. हमारी मिश्रित संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व दें और उसका संरक्षण करें;
g. जंगलों, झीलों, नदियों और वन्य जीवन सहित प्राकृतिक परिवेश का संरक्षण और सुधार करें, और जीवित जीव-जंतुओं के प्रति दया भाव रखें;
h. वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद और जाँच तथा सुधार की भावना का विकास करें।
i. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करें और हिंसा छोड़ें;
j. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करें, ताकि राष्ट्र लगातार प्रयास और उपलब्धि के उच्च स्तरों तक बढ़ता जाए

(स्त्रोत: गृह विभाग, बिहार सरकार, अदिनांकित)

संसाधन 2: सभी को शामिल करना/सभी की सहभागिता

सभी की सहभागिता 'सबको शामिल करें' का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। विद्यार्थियों की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएं अलग-अलग होती हैं। विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन भिन्नताओं को नज़रअंदाज नहीं कर सकते; वास्तव में, हमें उनका उत्सव मनाना चाहिए, क्योंकि वे एक दूसरे और हमारे अपने अनुभव से परे दुनिया के बारे में अधिक जानने का जरिया बन सकते हैं। सभी विद्यार्थियों को शिक्षा पाने और सीखने का अधिकार है चाहे उनकी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि कुछ भी हो, और इसे भारतीय कानून और अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता दी गई है। 2014 में राष्ट्र को अपने पहले संदेश में, प्रधानमंत्री मोदीजी ने जाति, लिंग या आय पर ध्यान दिए बिना भारत के सभी नागरिकों का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया। इस संबंध में स्कूलों और शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के दूसरों के बारे में पूर्वाग्रह और दृष्टिकोण होते हैं जिन्हें हो सकता है हमने नहीं पहचाना है या संबोधित नहीं किया है। एक अध्यापक के रूप में, आप में हर विद्यार्थी की शिक्षा के अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति है। चाहे जानबूझ कर या अनजाने में, आपके अंतर्निहित पूर्वाग्रह और दृष्टिकोण इस बात को प्रभावित करेंगे कि आपके छात्र कितने समान रूप से सीखते हैं। आप अपने विद्यार्थियों के साथ असमान बर्ताव से बचने के लिए कदम उठा सकते हैं।

शिक्षा में सबको शामिल करना सुनिश्चित करने के तीन मुख्य सिद्धांत

- देखना**:** प्रभावी शिक्षक चौकस, सचेतन और संवेदी होते हैं; वे अपने विद्यार्थियों के परिवर्तनों को देखते हैं। यदि आप चौकस हैं, तो आप *देखेंगे* कि किसी विद्यार्थी ने कब कोई चीज अच्छी तरह से की है, उसे कब मदद की जरूरत है और वह कैसे दूसरों से संबद्ध होता है। आप अपने विद्यार्थियों के परिवर्तनों को भी समझ सकते हैं, जो उनके घर की परिस्थितियों या अन्य समस्याओं में परिवर्तनों को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। सबको शामिल करने के लिए आवश्यक है कि आप अपने विद्यार्थियों से दैनिक आधार पर मिलें, और उन विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें जो अधिकारहीन महसूस कर सकते हैं या भाग लेने में अक्षम होते हैं।
- आत्म-सम्मान पर संकेंद्रण**:** अच्छे नागरिक वे होते हैं जो उसके साथ सहज रहते हैं जो वे हैं। उनमें आत्म-सम्मान होता है, वे अपनी ताकतों और कमज़ोरियों को जानते हैं, और उनमें पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना अन्य लोगों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने की क्षमता होती है। वे अपने आपका सम्मान करते हैं और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक अध्यापक के रूप में, आप किसी युवा व्यक्ति के आत्म-सम्मान पर उल्लेखनीय प्रभाव डाल सकते हैं; उस शक्ति को जानें और उसका उपयोग हर विद्यार्थी के आत्म-सम्मान को बढ़ाने के लिए करें।

- लचीलापन: यदि आपकी कक्षा में कोई चीज विशिष्ट विद्यार्थियों, समूहों या व्यक्तियों के लिए उपयोगी नहीं है, तो अपनी योजनाओं को बदलने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीला होना आपको समायोजन करने में सक्षम करेगा ताकि आप सभी विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करें।

वे दृष्टिकोण जिनका उपयोग आप हर समय कर सकते हैं

- अच्छे व्यवहार का अनुकरण बनना: जातीय समूह, धर्म या लिंग की परवाह किए बिना, अपने विद्यार्थियों के साथ अच्छा बर्ताव करके उनके लिए एक उदाहरण बनें। सभी विद्यार्थियों से सम्मान के साथ व्यवहार करें और अपने अध्यापन के माध्यम से स्पष्ट कर दें कि आपके लिए सभी विद्यार्थी बराबर हैं। उन सबके साथ सम्मान के साथ बात करें, जहाँ उपयुक्त हो उनकी राय को ध्यान में रखें और उन्हें हर एक को लाभ पहुँचाने वाले काम करके कक्षा की जिम्मेदारी लेने को प्रोत्साहित करें।
- ऊँची अपेक्षाएं: योग्यता स्थिर नहीं होती है; यदि समुचित समर्थन मिले तो सभी छात्र सीख और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी विद्यार्थी को उस काम को समझने में कठिनाई होती है जो आप कक्षा में कर रहे हैं, तो यह न समझें कि वह कभी भी समझ नहीं सकेगा। अध्यापक के रूप में आपकी भूमिका यह सोचना है कि हर छात्र के सीखने में किस सर्वोत्तम ढंग से मदद करें। यदि आपको अपनी कक्षा में हर एक से उच्च अपेक्षाएं हैं, तो आपके विद्यार्थियों के यह समझने की अधिक संभावना है कि यदि वे लगे रहे तो वे सीख जाएंगे। उच्च अपेक्षाएं बर्ताव पर भी लागू होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और कि छात्र एक दूसरे के साथ सम्मान के साथ व्यवहार करते हैं।
- अपने अध्यापन में विविधता लाएं: विद्यार्थी विभिन्न तरीकों से सीखते हैं। कुछ छात्र लिखना पसंद करते हैं; अन्य अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए मस्तिष्क में मानचित्र या चित्र बनाना पसंद करते हैं। कुछ छात्र अच्छे श्रावक होते हैं; कुछ सबसे अच्छा तब सीखते हैं जब उन्हें अपने विचारों के बारे में बात करने का अवसर मिलता है। आप हर समय सभी विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते, लेकिन आप अपने अध्यापन में विविधता ला सकते हैं और विद्यार्थियों को उनके द्वारा की जाने वाली सीखने की कुछ गतिविधियों के विषय में किसी विकल्प की पेशकश कर सकते हैं।
- शिक्षा को दैनंदिन के जीवन से जोड़ें: कुछ विद्यार्थियों के लिए, आप उन्हें जो कुछ सीखने को कहते हैं, वह उनके दैनंदिन के जीवन के प्रति अप्रासंगिक लगता है। आप इसे यह सुनिश्चित करके संबोधित कर सकते हैं कि जब भी संभव हो, आप शिक्षण-प्रक्रिया को उनके लिए प्रासंगिक परिवेश से संबंधित करें और उनके अपने अनुभवों से उदाहरण लें।
- भाषा का उपयोग: जिस भाषा का आप उपयोग करते हैं उसके बारे में सावधानी से सोचें। सकारात्मक भाषा और प्रशंसा का उपयोग करें, और विद्यार्थियों का तिरस्कार न करें। हमेशा उनके बर्ताव पर टिप्पणी करें और उन पर नहीं। 'आप आज मुझे कष्ट दे रहे हैं' बहुत निजी लगता है और इसे इस तरह बेहतर ढंग से व्यक्त किया जा सकता है, 'मैं आज आपके बर्ताव को कष्टप्रद पा रहा हूँ। क्या आपको किसी कारण से ध्यान देने में कठिनाई हो रही है?' जो काफी अधिक मददगार है।
- घिसी-पिटी बातों को चुनौती दें: ऐसे संसाधनों की खोज और उपयोग करें जो लड़कियों को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाओं में दर्शाते हैं या अनुकरणीय महिलाओं, जैसे वैज्ञानिकों को स्कूल में आमंत्रित करें। अपनी स्वयं की लैंगिक रूढ़िवादिता के प्रति सजग रहें; हो सकता है आप जानते हैं कि लड़कियाँ खेल खेलती हैं और लड़के ख्याल रखते हैं, लेकिन हम अक्सर इसे भिन्न तरीके से व्यक्त करते हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि हम समाज में इस तरह से बात करने के आदी होते हैं।
- एक सुरक्षित, स्वागत करने वाले शिक्षा के वातावरण का सृजन करें: यह जरूरी है कि सभी विद्यार्थी स्कूल में सुरक्षित और वाँछित महसूस करें। हर एक से परस्पर सम्मानपूर्ण और मित्रवत बर्ताव को प्रोत्साहित करके आप अपने छात्र को वाँछित महसूस कराने की स्थिति में होते हैं। इस बारे में सोचें कि स्कूल और कक्षा अलग अलग विद्यार्थियों को कैसी दिखाई देगी और महसूस होगी। इस विषय में सोचें कि उनसे कहाँ बैठने को कहा जाएगा और सुनिश्चित करें कि दृष्टि या श्रवण संबंधी दुर्बलताओं या शारीरिक विकलांगताओं वाले छात्र ऐसी जगह बैठें जहाँ से पाठ उनके लिए सुलभ होता हो। निश्चित करें कि जो छात्र शर्मीले हैं या आसानी से विचलित हो जाते हैं वे ऐसे स्थान पर हों जहाँ आप उन्हें आसानी से शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट अध्यापन दृष्टिकोण

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जो सभी विद्यार्थियों को शामिल करने में आपकी सहायता करेंगे। इनका अन्य प्रमुख संसाधनों में अधिक विस्तार से वर्णन किया गया है, लेकिन एक संक्षिप्त परिचय यहाँ प्रस्तुत है:

- प्रश्न पूछना: यदि आप विद्यार्थियों को अपने हाथ उठाने को आमंत्रित करते हैं, तो वे लोग ही उत्तर देने का प्रयत्न करते हैं। अधिक विद्यार्थियों को उत्तरों के बारे में सोचने और प्रश्नों का जवाब देने में शामिल करने के अन्य तरीके हैं। आप प्रश्नों को विशिष्ट लोगों की ओर निर्देशित कर सकते हैं। कक्षा को बताएं कि आप तय करेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर सामने बैठे लोगों की बजाय कमरे के पीछे और पार्श्व में बैठे लोगों से पूछें। विद्यार्थियों को 'सोचने का समय' दें और विशिष्ट लोगों से योगदान आमंत्रित करें। आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का उपयोग करें ताकि आप समग्र-कक्षा चर्चाओं में हर एक को शामिल कर सकें।

- आकलन**:** रचनात्मक आकलन के लिए ऐसी तकनीकों की शृंखला का विकास करें जो हर छात्र को अच्छी तरह से जानने में आपकी मदद करेंगी। छिपी हुई प्रतिभाओं और कमियों को उजागर करने के लिए आपको सृजनात्मक होना पड़ेगा। रचनात्मक आकलन उन अनुमानों, जिन्हें कतिपय विद्यार्थियों और उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्यीकृत दृष्टिकोणों से आसानी से बनाया जा सकता है, के बजाय सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के प्रति अनुक्रिया करने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे।
- समूह में कार्य और जोड़ी में कार्य**:** सभी को शामिल करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सावधानी से अपनी कक्षा को समूहों में बाँटने या जोड़ियाँ बनाने के तरीकों के बारे में सोचें और विद्यार्थियों को एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने और वे जो जानते हैं उसमें आत्मविश्वास का निर्माण करने का अवसर मिले। कुछ विद्यार्थियों में छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने का आत्मविश्वास होता है, लेकिन संपूर्ण कक्षा के सम्मुख नहीं।
- विभेदन**:** अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य तय करने से विद्यार्थियों को जहाँ वे हैं वहाँ से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। खुले-सिरे वाले कामों को तय करने से सभी विद्यार्थियों को सफल होने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य का विकल्प प्रदान करने से उन्हें अपने काम के स्वामित्व को महसूस करने और अपनी स्वयं की शिक्षण-प्रक्रिया के लिए दायित्व लेने में सहायता मिलेगी। व्यक्तिगत शिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखना, विशेष रूप से बड़ी कक्षा में, कठिन होता है, लेकिन विविध प्रकार के कामों और गतिविधियों का उपयोग करके ऐसा किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- 'Learning about rights in Year 2': http://globaldimension.org.uk/pages/8668
- National Policy on Education (1986 and 1992): http://www.childlineindia.org.in/pdf/National-Policy-on-Education.pdf
- National Curriculum for Elementary and Secondary Education (1988): http://www.teindia.nic.in/mhrd/50yrsedu/q/91/HL/toc.htm
- UNESCO language studies: http://www.unesco.org/education/tlsf/mods/theme_b/popups/mod06t04s04.html
- *Right Here, Right Now: Teaching Citizenship through Human Rights*, published by the UK Ministry of Justice, the British Institute of Human Rights, the UK Department for Children, Schools and Families, and Amnesty International UK: http://www.amnesty.org.uk/sites/default/files/book_-_right_here_right_now_0.pdf
- 'Language across curriculum' by Nisha Butoliya: http://www.teachersofindia.org/en/lesson-plan/language-across-curriculum
- UNICEF India: http://www.unicef.org/india/wes.html
- 'What is academic language?' by James Paul Gee, which includes further discussion of the issues raised in the introduction: http://www.jamespaulgee.com/sites/default/files/pub/TeachingSciencetoELL-Ch07.pdf
- *Democratic Citizenship, Languages, Diversity and Human Rights* by Hugh Starkey: https://www.coe.int/t/dg4/linguistic/Source/StarkeyEN.pdf

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Home Department, Govt of Bihar (undated) 'Fundamental Duties of the Citizens of India as per the Constitution of India' (online). Available from: http://home.bih.nic.in/Citizen_Guidelines/fundamental_duties_of_citizen.htm (accessed 29 October 2014).

Malone, S. (2010) *Activities for Early Grades of Mother Tongue (L1)-Based Multilingual Education Programs*. Dallas, TX: SIL International.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र 1: http://ww.ifrc.org [Figure 1: http://ww.ifrc.org]

चित्र 3: ऊपर बाएँ, 'Child growth stats show half of india's children are chronically malnourished' से रूपांतरित, प्रतुल शर्मा, 7 अक्तूबर 2012, मेल ऑनलाइन इंडिया, http://www.dailymail.co.uk; ऊपर दाएँ, http://www.saferinindia.org; नीचे बाएँ, http://happy-2013.blogspot.com/2014/05/; नीचे दाएँ, http://www.pakool.com.(Figure 3: top left, adapted from 'Child growth stats show half of india's children are chronically malnourished', Pratul Sharma, 7 October 2012, Mail Online India, http://www.dailymail.co.uk; top right, http://www.saferinindia.org; bottom left, http://happy-2013.blogspot.com/2014/05/; bottom right, http://www.pakool.com.)

चित्र 4: ऊपर बाएँ, http://www.childlineindia.org.in; ऊपर बीच में, http://newswatch.nationalgeographic.com; ऊपर दाएँ, http://ncert.nic.in; नीचे बाएँ, http://www.kidsfortigers.org; नीचे दाएँ, AFP=JIJI http://www.jijiphoto.jp.(Figure 4: top left, http://www.childlineindia.org.in; top middle, http://newswatch.nationalgeographic.com; top right, http://ncert.nic.in; bottom left, http://www.kidsfortigers.org; bottom right, AFP=JIJI http://www.jijiphoto.jp.)

संसाधन 1: http://home.bih.nic.in.(Resource 1: http://home.bih.nic.in.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।